कृषि विज्ञान केन्द्र, कस्तूरबाग्राम, इन्दौर

इन्दौर जिले के लिए कंटीजेंसी योजना (2014–15)

1- जिले का कृषि परिदृश्य				
1.1	□षि- □□□□□/□□रिस्थि□□की क्षेत्र			
	□षि □□रिस्थि□□की □□ क्षेत्र (ICAR)	□□□□ □□ □□□ (□श्चिमी), □र्द्ध □ष्क □ध्य□ □□□□री □□□ □□□टी (5.2)		
	□षि- □□□□□□क्षेत्र (□□□□ □ □□□)	□ध्य □□□ (9)		
	□षि- □□□□□□क्षेत्र (NARP)	□□□□ □□ □□□ □षि- □□□□□□क्षेत्र (□. प्र.-10)		
	NARP क्षेत्र में □ □□□□□□जिलों □ □□□□ हिस्सों की □□□	□□□□, □□□□□, □□□□□, □ज्जै□, □न्दौ□, □□□□, □□□□□□, □□□□□,, □□□ जि□□□□ □□□ हिस्सा (□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□) □□ □□□□ जि□□की □□□□□□ □□□□□		
	जि□□ □ख्य □□ □□□क्षांश □ □□□न्त□	□क्षांश	□□□न्त□	□□द्र□□ □□□□□□
		22^{0} 43 '31.13" □.	75^{0} 51 56.00" □□	602 □□.
	□□□□□ ZRS/ ZARS/ RARS/ RRS/ RRTTS □□ □□□ □ □□□	□ □□□□ □षि □□□□□□ केंद्र, □षि □□□विद्याल□, □न्दौ□, □ल्ड □□□□ □□□, □□□ □□□□ □□□□□, □न्दौ□, □ध्यप्रदे□-452020		
	जि□□में □षि विज्ञा□□केंद्र की □□□□□	□स्तू□□□ग्राम, □न्दौ□, □ध्यप्रदे□ – 452020		

2. सूखा

2.1.1 वर्षा आधारित स्थिति में

परिस्थिति			संभावित अनुशंसित विधियां		
वर्षा के प्रारम्भ में सुखा (मानसून में देरी)	प्रमु□ □षि □रिस्थि□□□□	□□□न्य □□□ / □□□ □द्ध□	□□□ / □□□ □द्ध□ में □रि□र्तन जि□□□किस्मे □□ □□□□	□स्य वि□□□□	क्रियान्व□□ □□ टिप्प□□

मानसून में 2 सप्ताह की देरी (जून का चौथा सप्ताह)	गहरी मृदा	सोयाबीन	सोयाबीन (शीघ्र) JS 95-60 सोयाबीन (मध्यकालीन) RVS-2001-04 उर्द (PUSA 16) सूर्यमुखी (JSF 7,JSF73)	• रि[illegible] / [illegible] वि[illegible] [illegible] [illegible]रीप [illegible]लों की [illegible] • [illegible] + [illegible]र्बेन[illegible]जि[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] की 3 ग्राम [illegible]त्रा [illegible]प्रा[illegible] कि[illegible] [illegible] [illegible]रि[illegible] [illegible] • [illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	[illegible]च्छी [illegible]ता [illegible] [illegible] [illegible]ज्य [illegible] की [illegible] / [illegible] [illegible] [illegible] ड्रिल दे[illegible] RKVY [illegible]
		अरहर	अरहर (मध्यम) JA4 अरहर (संकर) RVICPH2671 अरहर (संकर) RVA28	[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	
		अरहर + सोयाबीन	ज्वार (JJ938,JJ1041)+ सोयाबीन (शीघ्र) JS 95-60	[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	
		[illegible]र्द	[illegible] + [illegible]र्द (JU 3, LBG 20, TAU1)	[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	
	[illegible]ल्की [illegible]ट्टी	[illegible] [illegible] ([illegible]मा[illegible])	[illegible]र्द ([illegible]– 86)	[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	
		ज्व[illegible] + [illegible]र्द ([illegible]– 86)	ज्व[illegible] ([illegible]938, [illegible]1041, [illegible]1022, [illegible]741, IMS9A, 9B, Indore-12) + [illegible]र्द	[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	
		ज्व[illegible] ([illegible]938, [illegible]1041)		[illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें	

□रिस्थि□			□□□वि□ □□□□□□ वि□□□□		
□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	प्रमु□ □षि □रिस्थि□□□□	□□□न्य □□□ / □□□ □द्ध□	□□□ / □□□ □द्ध□ में □रि□र्तन जि□□□किस्मे □□ □□□□	□स्य वि□□□□	क्रियान्व□□ □□ टिप्प□□
□□□□□ में 4 □साह की □री (□□□□ □□ □□□□ □साह)	□□री □□ट्टी	□□□□□□	स्वी□ □र्न (□□□ - 75) □क्क JM 8, JM 216	□□□ □□ में 25 % की □द्धि □□ □□□□ की □री में □□□ (30 □□□.) □□ही□ □र्षा□□ द्वारा □व्या□ वि□ □□□ □श्य□□□□□□ □□□□ □□ही □□□□□ □वं □र्षा □□ □□ की □□□□ □रें	□षि वि□□□ □ □षि □□□□यों □□□□ □च्छी □□□त्ता □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □ज्य □□□□ की □□ □□□□/□□□□□ □□□□□ □□□□ □□□ ड्रिल □□□□□ RKVY □□□□
		□□□□	□र्यमु□□ (□□□र्न) □र्यमु□□ (एम.एस.एफ.एच. 17)		
			□र्यमु□□ (□□□र्न) + □□□□ - □□□ 148, ICPL87, JA4, RVICPH2671, JKM189		
		□र्द	बेंग□/□□□□□/□□□की/□री□ प्या□(□ग्रीप□□□न्ड □□□)		
	□ल्की □□ट्टी	□□□□□□ □□□□ (□मा□)	□र्द (□□□ -16, JU3, JU86, T9,		
		ज्व□ + □र्द (□□□□– 86)	□□ (JM 721, TARM1)+ □र्यमु□□ (□□□र्न)		
		ज्व□ (□□□938, □□□1041)	□□□ - टी□□□ 55, टी□□□ 8 / □क्क □री		

□रिस्थिति			□□विचारित □□□□□□ विकल्प		
□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	प्रमुख □षि □रिस्थितियाँ	□□□न्य □□□ / □□□ □द्धति	□□□ / □□□ □द्धति में □रि□र्तन जि□□किस्मे □□ □□□□	□स्य वि□□□□	क्रियान्वयन □□ टिप्पणी
□□□□□ में 6 □प्ताह की □री (□□□□ □□ □□□□ □प्ताह)	□□री □□ट्टी	□□□□	□र्यमु□□ (□□□र्न, MSFH17)	□□□ □□ में 25 % की □द्धि □□□□ की □री (30 □□□□.)	□षि वि□□□ □ □षि □□□□यों □□□□□ □च्छी □□□ता □□□□□ □□ □□□□ □□□□□□□□ □□ज्य □□□□ की □□□ □□□□/□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ ड्रिल दे□□□□ RKVY □ □□□
		□□□□□□	स्वी□ □□र्न (□□□ 75)– □	□□रि□ / □□□□□ वि□□ □ □री□ □□लों की □□□□□ □□□□ + □र्बन□जि□ □ □□□□□ □□□□□ की 3 ग्राम □त्रा □□प्रति कि□□ □□□ □□ □□□□रि□ □□□ □□□ □□ में 25 % की □द्धि	

				□□ □□□□ की □्री में □□□ (30 □□□□.). □□हीं□ □र्षा□□ द्वार□ □व्वा□□ वि□□ □ □ □श्य□□□□□□□ □□□□□	
		□□□□+ □□□□□□□	□□□ □क्क	□□□□ + □र्बेन□जि□ □ □□□□□ □□□□□ की 3 ग्राम □त्रा □□प्रा□ कि□□ □□□ □□ □□□□रि□ □□□ □□□ □□ में 25 % की □द्धि □□ □□□□ की □्री में □□□ (30 □□□□.)	
		□र्द	□री□ प्या□	□□□□ + □र्बेन□जि□ □ □□□□□ □□□□□ की 3 ग्राम □त्रा □□प्रा□ कि□□ □□□ □□ □□□□रि□ □□□	
	□ल्की □□ट्टी	□□□□□□ □□□□ (□म्मा□)	□क्क (□□□□□ □क्क 8, 12, 421) / □ट्टों □□□□□□ स्वी□ □र्न		
		ज्व□ (□□□938, □□□1041)+ □र्द (□□□– 86)	□क्क □री (□फ्रीका□ □□□)		

□रिस्थि□			□□वि□ □□□□□ वि□□□□		
□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	प्रमु□ □षि □रिस्थि□□□□	□□□न्य □□□ / □□□ □द्ध□□	□□□ / □□□ □द्ध□□ में □रि□र्तन जि□□□किस्मे □□ □□□□	□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	क्रियान्व□□ □□ टिप्प□□
	□□री □□ट्टी	□□□□□□	कुलथा (AK-42,Arjakulthi)	□□□□ + □र्बेन□जि□ □ □□□□□ □□□□□ की 3 ग्राम □त्रा □□प्रति कि□□ □□□ □□ □□□□रि□ □□□ □□□ □□ में 25 % की □द्धि □□ □□□□ की □री में □□□ (30 □□□□.)	
□□□□□ में 8 □साह की □री (□□स्त □□ □□□□ □साह)					□षि वि□□□ □ □षि □□□□यों □□□□□ □च्छी □□□ता □□□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ज्य □□□□ की □□□ □□□□□/□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ ड्रिल □□□□□ RKVY □ □□□
		□□□□	□र्यमु□□ (□□□र्न)	□□□ □□ में 20 % की □द्धि □□ □□□□ की □री में □□□ (30 □□□□.). □□हीत □र्षा□□ द्वारा □व्या□□ वि□□ □	

				□□श्य□□□□□ □□□□	
		□□□□ + □□□□□□	□्यग्□□ (□□र्न)	□□□ + □र्बन□जि□ □ □□□□ □□□□ की 3 ग्राम □त्रा □प्रा□ कि□ □□ □ □□□रि□ □□□	
		□र्द	□क्क □री (□फ्रीक□ □□) □□□ □□□	□□□ + □र्बन□जि□ □□ □□□□ □□□□ की 3 ग्राम □त्रा □प्रा□ कि□ □□ □ □□□रि□ □□□	
	□ल्की □□ट्टी	□□□□□ □□□ (□म्मा□)	रामतिल (Chandrasur)	□□□ + □र्बन□जि□ □ □□□□ □□□□ की 3 ग्राम □त्रा □प्रा□ कि□ □□ □ □□□रि□ □□□	
		ज्वा□ + □र्द	□ट्टों □□□□ स्वी□ □र्न / □क्क □री (□फ्रीक□ □□)	□□ □ में 20% की □द्धि	

□रिस्थि□□			□□□वि□ □□□□□□ वि□□□□		
□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	प्र□□ □षि □रिस्थि□□□□	□□□न्य □□□ / □□□ □द्ध□□	□□□ / □□□ □द्ध□□ में □रि□र्तन जि□□□किस्मे □□ □□□□	□र्षा □□प्रारम्भ में □□□ (□□□□□ में □री)	क्रियान्व□□ □□ टिप्प□□
समय पर वर्षा तथा बुवाई के बाद 15–20 दिन तक सूखाकाल होने के कारण अंकुरण में कमी	□□री □□ट्टी	□□□□□□	यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें सूखा काल में 2 प्रतिशत म्यूरेट आफ पोटाश के घोल का छिड़काव करें।	डोरे द्वारा लगातार अन्तःकर्षण क्रियाएं करें हरी पत्तियों जैसे सुबबूल/ग्लीरिसीडिया की मल्च का उपयोग करें	□षि वि□□□ □ □षि □□□□□यों □□ □□□ □च्छी □□□ता □□ □□□□ □□ □□□□□ □□□□□□□□ □□ज्य □□□□ की □□ □□□□□/□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□ ड्रिल □□□□□ RKVY □□□□□
		□□□□	-do -	-do-	
		□□□□ + □□□□□□	-do-	-do-	
		□र्द	-do-	-do-	
	□□की □□	□□□□□□ □□□□ (□मा□)	सूखा काल में 2 प्रतिशत म्यूरेट आफ पोटाश के घोल का छिड़काव करें। पी.एम.ए. (3 पीपीएम) का छिड़काव चक्रभृंग के नियंत्रण के लिये क्यूनालफास 2 मिली/ली पानी की दर से छिड़के	डोरे द्वारा लगातार अन्तःकर्षण क्रियाएं करें हरी पत्तियों जैसे सुबबूल/ग्लीरिसीडिया की मल्च का उपयोग करें	

□रिस्थिति			□□वि□ □□□□□ वि□□□□		
	प्रमु□ □षि □रिस्थिति□□□	**□□□न्य □□□ / □□□ □द्व□□**	**फसल प्रबंधन**	**मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण के उपाय**	**क्रियान्व□□ □□ टिप्प□□**
वर्षाकाल के मध्य में सूखा (लम्बा सूखा काल लगातार – 2 सप्ताह वर्षा न होने की स्थिति में, 2.5 मिमी से कम)	□□री □□ट्टी	□□□□□□	• डोरा के उपयोग से अन्तःकर्षण क्रियाओं द्वारा खरपतवार प्रबंधन • यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें • पी.एम.ए. (3 पीपीएम) का छिड़काव • चक्रभृंग के नियंत्रण के लिये क्यूनालफास 2 मिली / ली पानी की दर से छिड़के	• कार्बनिक / हरी पत्ती के मल्च का उपयोग करें • सूखे के समय 2 प्रतिशत म्यूरेट आफ पोटाश का छिड़काव करें। • खेत तालाब के पानी से पूरक सिंचाई	
		□□□□	• डोरा के उपयोग से अन्तःकर्षण क्रियाओं द्वारा खरपतवार प्रबंधन • यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें •		

		□□□□ + □□□□□	• डोरा के उपयोग से अन्तःकर्षण क्रियाओं द्वारा खरपतवार प्रबंधन • यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें		
		□र्द	• डोरा के उपयोग से अन्तःकर्षण क्रियाओं द्वारा खरपतवार प्रबंधन • यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें		
		□□□□□ □□□□ (□मात्र)	• डोरा के उपयोग से अन्तःकर्षण क्रियाओं द्वारा खरपतवार प्रबंधन • यदि पौध संख्या लगभग 60 प्रतिशत हो तो खाली जगह पर उन्नत बीज लगायें • पी.एम.ए. (3 पीपीएम) का छिड़काव • चक्रभृंग के नियंत्रण के लिये क्यूनालफास 2 मिली ⁄ ली पानी की दर से छिड़के		

स्थिति			[illegible]		
	मुख्य कृषि स्थिति	**सामान्य फसल/कृषि पद्धति**	**फसल प्रबंधन**	**मृदा पोषण एवं नमी संरक्षण के उपाय**	**रिमार्क**
वर्षा काल के मध्य में सूखा पड़ने पर (लम्बा सूखा काल लगातार 2 सप्ताह वर्षा न होने की स्थिति में, 2.5 मिमी से कम)	गहरी मृदा	सोयाबीन	सोयाबीन की 20 प्रतिशत पत्तियां गिरने पर ग्रीन सेमीलूपर के नियंत्रण हेतु पी.एम.ए. (3 पीपीएम) का छिड़काव करें।	कार्बनिक मल्च/हरी पत्तियों की मल्च जैसे – सुबबूल, ग्लिरीसिडीया सूखे के समय 2 प्रतिशत म्यूरेट आफ पोटाश का छिड़काव करें। खेत तालाब के पानी से पूरक सिंचाई	
फूल आने/फलियां बनने की स्थिति में	हल्की मृदा	ज्वार	ज्वार में लेट शूट बोरर के नियंत्रण हेतु क्विनालफास का 2 मिली/लीटर की दर से छिड़काव		
		ज्वार + उर्द	पी.एम.ए. (3 पीपीएम) का छिड़काव		
		सोयाबीन लोकल (सम्राट)	सोयाबीन में ग्रीन सेमीलूपर के नियंत्रण हेतु क्विनालफास का 2 मिली/लीटर की दर से छिड़काव		

स्थिति			**आपात स्थिति हेतु सुझाव**		
मानसून का जल्दी चले जाना	**मुख्य कृषि स्थिति**	**सामान्य फसल/कृषि पद्धति**	**फसल प्रबंधन**	**रबी फसल हेतु प्लान**	**रिमार्क**
	गहरी मृदा	सोयाबीन	• पूरक सिंचाई • कायिक परिपक्वता पर कटाई	यदि नुकसान ज्यादा हो तो रबी के चने के लिये योजना बनाये रबी चने के लिये सीड प्राइमिंग करें	
		अरहर	• पूरक सिंचाई	-	
		अरहर + सोयाबीन	-do-	-	
		उर्द	• पूरक सिंचाई	रबी के चने के लिये योजना बनाये	
	हल्की मृदा	ज्वार	यदि नुकसान ज्यादा हो तो चारे/रटून फसल के लिये बखर दें।		
		ज्वार + उर्द	-do-		
		सोयाबीन लोकल (सम्राट)	-do-		

2.1.2 सूखा – सिंचित स्थिति में

स्थिति			आपात स्थिति हेतु सुझाव		
कम वर्षा के कारण नहरों में पानी के देर से छोड़े जाने की स्थिति में	**मुख्य कृषि स्थिति**	**सामान्य फसल/कृषि पद्धति**	**फसल/फसल पद्धति में परिवर्तन किस्मों सहित**	**सस्य विधियां**	**रिमार्क**
	गहरी मृदा	चना	चना जे.जी. 130, जे.जी 16, जे.जी. 412, जे.जी. 315, विशाल,	• सूखी बुवाई कर सिंचाई करें। • वर्मीकम्पोस्ट 3–4 टन प्रति हे डाले • बढ़वार की क्रांतिक अवस्था पर सिंचाई करें • फसल की पंक्तियों के मध्य कार्बनिक मल्चिंग करें।	बीजों एवं वाटरशेड के लिये राज्य कृषि विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय बीज निगम से सम्पर्क करें फार्म पोंड तकनीक के लिये एन.आर.ई.जी. से सम्पर्क करें
		गेहूं	गेहूं एच.डब्ल्यू 2004, हर्षिता, HW 2004, HI 1500, HI 8627, HD 4672	• संतुलित उर्वरकों का प्रयोग (बेसल एप्लीकेशन) • वर्मीकम्पोस्ट 3–4 टन प्रति हे डाले • बढ़वार की क्रांतिक अवस्था पर सिंचाई करें • फसल की पंक्तियों के मध्य कार्बनिक मल्चिंग करें।	

	हल्की मृदा	चना	चना जे.जी. 130, जे.जी 16, जे.जी. 412, जे.जी. 315, विशाल,		
		गेहूं	गेहूं (एच.डब्ल्यू 2004, हर्षिता)		
		सोयाबीन (जे.एस. 335, जे.एस. 71–05) – चना	उर्द – चना (जे.जी. 130, जे.जी 16, जे.जी. 412, जे.जी. 315, विशाल)	- रिज / बीबीएफ विधि से खरीफ फसलों की बुवाई करें शीघ्र पकने वाली किस्मों का चुनाव [illegible] + [illegible]र्बन[illegible]जि[illegible] [illegible] [illegible] की 3 ग्राम [illegible]त्रा [illegible]प्रा[illegible] कि[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]रि[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] में 10 % की [illegible]द्धि [illegible] [illegible] की [illegible]री में [illegible] (30 [illegible].) [illegible] [illegible]ग्रह[illegible] [illegible] [illegible]ग्रहि[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]क्ष[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]र्व [illegible]र्षा [illegible] [illegible] [illegible] की [illegible] [illegible]रें आवश्यकतानुसार फव्वारा विधि सें सिंचाई करें	

स्थिति			आपात स्थिति हेतु सुझाव		
कम वर्षा के कारण नहरों में कम पानी छोड़ा जाना	मुख्य कृषि स्थिति	सामान्य फसल/कृषि पद्धति	फसल/फसल पद्धति में परिवर्तन किस्मों सहित	सस्य विधियां	रिमार्क
	गहरी मृदा	चना	चना (JG -130)	• सूखी बुवाई कर सिंचाई करें। • संतुलित उर्वरकों का प्रयोग • वर्मीकम्पोस्ट 3–4 टन प्रति हे डाले • बढ़वार की क्रांतिक अवस्था पर संभव हो तो फव्वारा सिंचाई करें	□षि वि□□□ □ □षि □□□□यों □□ □□□ □च्छी □□□ता □□ □□□ □□ □□□□ □□□□□□□ □ज्य □□□ की □□ □□□□/□□□□ □□□□ □□□□ □□ ड्रिल □□□□ RKVY □□□□
		गेहूं	गेहूं (एच.डब्ल्यू 2004, हर्षिता)	-do-	
	हल्की मृदा	चना/गेहूं (Lok-1)	चना JG 412 गेहूं (एच.डब्ल्यू 2004, हर्षिता) उर्द –चना (JG -130)	• सूखी बुवाई कर सिंचाई करें। • संतुलित उर्वरकों का प्रयोग • वर्मीकम्पोस्ट 3–4 टन प्रति हे डाले • बढ़वार की क्रांतिक अवस्था पर संभव हो तो फव्वारा सिंचाई करें • फसल की पंक्तियों के मध्य कार्बनिक मल्चिंग करें	
		सोयाबीन (शीघ्र) - चना सोयाबीन - गेहूं	सोयाबीन - चना चना /कुसुम सोयाबीन JS335, JS-71-05 चना JG218 कुसुम: JSF 7, JSF73	-- रिज/बीबीएफ विधि से खरीफ फसलों की बुवाई करें शीघ्र पकने वाली किस्मों का चुनाव □□□ + □र्बन□जि□ □□ □□□□	

				□□□□ की 3 ग्राम □□त्रा □□प्रति कि□□ □□□ □□ □□□□रि□ □□□ □□□ □□ में 10 % की □द्धि □□ □□□□ की □री में □□□ (30 □□□□.) □□ □ग्रह□□ □□□□ □ □ग्रहि□ □□ □ □□□□ □क्ष□ □□□□□ □□□ □□□□□ □र्व □र्षा □□ □□□ □□ की □□□□ □रें आवश्यकतानुसार फव्वारा विधि सें सिंचाई करें	

स्थिति			आपात स्थिति हेतु सुझाव		
मानसून के देर से आने की स्थिति में नहरों में पानी नहीं छोड़ा जाना	मुख्य कृषि स्थिति	सामान्य फसल/कृषि पद्धति	फसल/फसल पद्धति में परिवर्तन किस्मों सहित	सस्य विधियां	रिमार्क
	गहरी मृदा	चना	कुसुम (JSF 1, JSF73,JSF 97)	बोने के पूर्व बीज को 12–15 घंटे पानी में भिगोयें फसल की पंक्तियों के मध्य मल्चिंग करें	[illegible]षि वि[illegible] [illegible] [illegible]षि [illegible]यों [illegible] [illegible]च्छी [illegible]त्ता [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]ज्य [illegible] की [illegible] [illegible]/[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ड्रिल [illegible] RKVY [illegible]
	हल्की मृदा	चना	कुसुम (JSF 1, JSF73,JSF 97)	-do-	

स्थिति			आपात स्थिति हेतु सुझाव		
मानसून के देरी से आने/अपर्याप्त होने के कारण तालाबों में पानी की कमी	मुख्य कृषि स्थिति	सामान्य फसल/कृषि पद्धति	फसल/फसल पद्धति में परिवर्तन किस्मों सहित	सस्य विधियां	रिमार्क
	गहरी मृदा	सोयाबीन – चना/गेहूं मक्का - चना ज्वार - चना	सोयाबीन – चना/कुसुम/तोरिया	फसल की पंक्तियों के मध्य मल्चिंग करें। फव्वारा विधि से पूरक सिंचाई करें	[illegible]षि वि[illegible] [illegible]षि [illegible]यों [illegible] [illegible] [illegible]च्छी [illegible]त्ता [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]ज्य [illegible] की [illegible] [illegible]/[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] ड्रिल [illegible] RKVY [illegible]
	हल्की मृदा	सोयाबीन	सोयाबीन (JS 95-60) उर्द (JU 69)	रबी एवं खरीफ की फसल में मल्चिंग करें। फव्वारा विधि से पूरक सिंचाई करें	

स्थिति			आपात स्थिति हेतु सुझाव		
कम वर्षा के कारण भूमिगत जल के पुनर्भरण में कमी	**मुख्य कृषि स्थिति**	**सामान्य फसल/कृषि पद्धति**	**फसल/फसल पद्धति में परिवर्तन किस्मों सहित**	**सस्य विधियां**	**रिमार्क**
	गहरी मृदा	सोयाबीन उर्द – चना	शीघ्र आने वाली सोयाबीन - चना (छोटा दाने वाली किस्म)/कुसुम	• फसल बढ़वार की क्रांतिक अवस्थाओं पर सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों द्वारा सिंचाई • फसल की पंक्तियों के मध्य मल्चिंग करें।	केवीके/आत्मा /कृषक प्रशिक्षण केन्द्र द्वारा प्रशिक्षण के माध्यम से कृषि तकनीक के बारें मे जागरुकता पैदा करना
	हल्की मृदा	सोयाबीन उर्द – चना/मक्का चरी	उर्द (JU 69) मक्का/ज्वार + उर्द	• रबी एवं खरीफ की फसल में मल्चिंग करें। • फव्वारा विधि सें पूरक सिंचाई करें	

2.2 **असामान्य वर्षा की स्थिति में – असमय एवं बेमौसम आदि (वर्षा आधारित एवं सिंचित परिस्थितियों में)**

स्थिति	आपात स्थिति हेतु सुझाव			
कम समय में लगातार भारी वर्षा के कारण जल जमाव की स्थिति	**वानस्पतिक अवस्था**	**फूल आने की अवस्था**	**फसल परिपक्व होने की अवस्था**	**कटाई उपरान्त**
सोयाबीन	अतिरिक्त पानी का निकास करें मृदा में हवा के संचार का बढ़ाने और मृदा को भुरभुरा बनाने के कारण अन्तःकर्षण क्रियाएं करें पर्याप्त नमी होने पर नाइट्रोजन 10 से 20 किलोग्राम/हे. की दर से डाले	अतिरिक्त पानी का निकास करें मृदा में हवा के संचार का बढ़ाने और मृदा को भुरभुरा बनाने के कारण अन्तःकर्षण क्रियाएं करें ओज को पुनः प्राप्त करने के लिये 2 प्रतिशत यूरिया/डीएपी का पर्णीय छिड़काव करें।	अतिरिक्त पानी का निकास करें साफ/धूप वाले दिन कटाई कर उत्पाद को सुरक्षित जगह पर रखें।	अनाज को बेचने एवं बोरों में भरने से पूर्व सुखा लें
मक्का	अतिरिक्त पानी का निकास करें मृदा में हवा के संचार का बढ़ाने और मृदा को भुरभुरा बनाने के कारण अन्तःकर्षण क्रियाएं करें अतिरिक्त पानी निकालने के बाद 25 किलो नाइट्रोजन/हे की दर से और डाले	अतिरिक्त पानी का निकास करें मृदा में हवा के संचार का बढ़ाने और मृदा को भुरभुरा बनाने के कारण अन्तःकर्षण क्रियाएं करें अतिरिक्त पानी निकालने के बाद 25 किलो नाइट्रोजन/हे की दर से और डाले	अतिरिक्त पानी का निकास करें हरे भुट्टो को टूटे पौधों से तुरन्त बेचने के लिये तोड़ लें	हरे भुट्टो को टूटे पौधों से तुरन्त बेचने के लिये तोड़ लें अनाज को भंडारण करने के पूर्व सुखा लें
ज्वार	अतिरिक्त पानी का निकास करें अतिरिक्त पानी निकालने के बाद 25 किलो नाइट्रोजन/हे की दर से और डाले	अतिरिक्त पानी का निकास करें हो के द्वारा अन्तःकर्षण क्रियाएं करें अतिरिक्त पानी निकालने के बाद 25 किलो नाइट्रोजन/हे की दर से और डाले	अतिरिक्त पानी का निकास करें हरे भुट्टो को टूटे पौधों से तुरन्त बेचने के लिये तोड़ लें	फसल के पूलो को मेढ़ या सूखे स्थान पर सुखायें पूर्णतया सूख जाने पर पूलों की गहाई करें अनाज को भंडारण करने के पूर्व सुखा लें

गेहूं	अतिरिक्त पानी का निकास करें ओज को पुनः प्राप्त करने के लिये पर्याप्त नमीं होने पर 20–30 किलोग्राम/हे की दर से नत्रजन उर्वरकों का प्रयोग करे	अतिरिक्त पानी का निकास करें ओज को पुनः प्राप्त करने के लिये पर्याप्त नमीं होने पर 20–30 किलोग्राम/हे की दर से नत्रजन उर्वरकों का प्रयोग करे आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण के उपाय करें।	अतिरिक्त पानी का निकास करें आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण के उपाय करें। साफ/धूप वाले दिन कटाई करें	अनाज को पर्याप्त नमी तक सुखायें
चना	अतिरिक्त पानी का निकास करें वर्षा रुकने पर 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का पत्तियों पर छिड़काव करें	अतिरिक्त पानी का निकास करें वर्षा रुकने पर 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का पत्तियों पर छिड़काव करें	अतिरिक्त पानी का निकास करें मौसम के साफ होने पर फसल की समय पर कटाई करें	फसल उत्पाद को सुरक्षित स्थल पर ले जाकर उचित नमी पर उसका भंडारण करें
उद्यानिकी				
फल	अर्धगलन के नियत्रंण के लिये मैकोजेब 3 ग्राम/प्रति लिटर का छिडकाव	पानी कि निकासी के बाद नत्रजन उर्वरको का प्रयोग करे	मिट्टी चढाने के पश्चात फंफूदनाशक का प्रयोग करे व मौसम के साफ होने पर कटाई करे	
सब्जियाँ	अर्धगलन के नियत्रंण के लिये मैकोजेब 3 ग्राम/प्रति लिटर का छिडकाव	पानी कि निकासी के बाद नत्रजन उर्वरको का प्रयोग करे	मिट्टी चढाने के पश्चात फंफूदनाशक का प्रयोग करे व मौसम के साफ होने पर कटाई करे	

कम समय में अत्यधिक तेज हवा के साथ भारी वर्षा की स्थिति में				
सोयाबीन	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व उचित नमी होने पर नत्रजन उर्वरको का 10–20 किलोग्राम/हे. कि दर से उपयोग करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद व उचित नमी होने पर फसलो में अंतकृषण क्रियाये करे जिससे मिट्टी में वायु संचार हो सके ओज को पुनः प्राप्त करने के लिय 2 % यूरिया डी ए पी का पत्तीयो पर छिडकाव करे	मौसम के साफ होने पर कटाई करे अतिरिक्त पानी कि निकासी करे कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करे	फसल उत्पाद को सुखा कर 10–12% नमी पर संग्रहित करे
मक्का	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद 25 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद 25 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व गिरे हुये पौधो से हरे भुट्टो को तोड कर तुरंत विक्रय करे	गिरे हुये पौधो से हरे भुट्टो को तोड कर तुरंत विक्रय करे फसल उत्पाद को सुखा कर उचित नमी पर संग्रहित करे
ज्वार	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे इसके बाद 25 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे जिससे पौधे पुन अपनी वृद्धि प्राप्त कर सके	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे फसलो में अन्तःकर्षण क्रिया "हो" से करे अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद 25 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व गिरे हुये पौधो से हरे भुट्टो को तोड कर तुरंत विक्रय करे	वर्षा में भीगे पूलो को मेंढ या सुखे स्थान पर सुखाये व सुखने पर गहाई का कार्य करे तथा दानो को सुखने के बाद संग्रहित करे
गेहुँ	अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद उचित नमी होने पर 20–30 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे जिससे पौधें अपनी वृद्धि प्राप्त कर सके।	अतिरिक्त पानी कि निकासी के बाद उचित नमी होने पर 20–30 किलोग्राम अतिरिक्त नत्रजन /हे. कि दर से उपयोग करे जिससे पौधें अपनी वृद्धि प्राप्त कर सके।	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व उचित पौध संरक्षण उपाय करे	दानो को सुखाकर उचित नमी बनाये रखे

		आवश्यकतानुसार पौध संरक्षण उपाय करे	मौसम के साफ होने पर कटाई करे	
चना	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व वर्षा रूकने पर 2 % यूरिया का पत्तीयो पर छिडकाव करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे व वर्षा रूकने पर 2 % यूरिया का पत्तीयो पर छिडकाव करे	अतिरिक्त पानी कि निकासी करे साफ मौसम होने पर समय पर कटाई करे	कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर संग्रहित करे व फसल उत्पाद को सुखा कर संग्रहित करे
उद्यानिकी				
फल	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	
सब्जियाँ	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	उचित जल निकास करे व जडो के पास से अतिरिक्त पानी कि निकासी करे	
असामयिक वर्षा के कारण होने वाले कीटों एवं बीमारियों के प्रकोप की स्थिति में				
सोयाबीन	• गर्डल बीटल व सेमीलूपर से बचाव के लिये जल्दी बुवाई करे • पत्तीयो पर 5% नीम के बीज का काढा या डाईमीथीएट 30 ई.सी. का छिडकाव करे	• मोथ की गतिविधियों को जानने हेतु फेरोमोन ट्रेप 10 नग/हे. का उपयोग करें। • स्पोडोप्टेरा के नियंत्रण के लिये क्यूनालफास 25 ईसी या इमामेक्टिन बेन्जोएट 25		

		एस.जी. 4 ग्राम/10 लीटर पानी में उपयोग करें		
मक्का	•	• पर्ण अंगमारी रोग के नियंत्रण हेतु मेन्कोजेब 25.4 प्रतिशत का पर्ण छिड़काव 8 से 10 दिन के अन्तर पर करें।	• मक्का में फूल आने के बाद में तना गलन के नियंत्रण हेतु ट्राइकोडर्मा को 10 ग्राम प्रति किलों एफ.वाय.एम. में मिलाकर खेत में 10 दिन बाद उपयोग करें।	• सीड काटन को गीला होने व फंफूद से बचाने के लिये उसका उचित भंडारण करें
ज्वार	• तना मक्खी से बचाव के लिये जल्दी बुवाई करे • तना छेदक से बचाव के लिये कार्बोफ्यूरान 3जी 8–10 किलोग्राम /हे. उपयोग करे	• मीज के नियत्रण के लिये कार्बोफ्यूरान दानो का उपयोग करे	• इयर हेड बग के नियंत्रण हेतु कार्बरिल पावडर के साथ अर्न्तप्रवाही कीटनाशकों का भुरकाव 25 किग्रा/हे की दर से करें	• उत्पाद को फंफूद से बचाने के लिये शीघ्र सुखायें
गेहुँ	• गेरूआ रोग के नियत्रण के लिये 0.3 % मैकोजेब 76 % डब्लू.पी.का छिडकाव करे	• गेरूआ रोग के नियत्रण के लिये 0.2 % मैकोजेब 76 % डब्लू.पी.का छिडकाव करे	• गेरूआ रोग के नियत्रण के लिये 0.2 % मैकोजेब 76 % डब्लू.पी.का छिडकाव करे	
चना	• चने में कीड़ों के नियत्रण के • लिए ट्राइजोफास 40 ई.सी.@ 1–1.5 लीटर/ हे. का छिडकाव करे	• चने चने में किडो के नियत्रण के लिए ट्राइजोफास 40 ई.सी.@ 1–1.5 लीटर/ हे. का छिडकाव करे	• चने चने में किडो के नियत्रण के लिये ट्राइजोफास 40 ई.सी.@ 1–1.5	

	• फल छेदक के जैविक नियत्रण के लिए "टी" आकार की खूटीयो का उपयोग करे	• देर से बोय गये चने में जैविक नियत्रण के लिए "टी" आकार की खूटीयो का उपयोग करे	लीटर/ हे. का छिडकाव करे	
	• रासायनिक नियत्रंण के लिये क्यूनालफास 25 ई.सी. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी या मिथाईल पैराथियान 20 ई.सी @ 600 मि.ली. 500 लीटर पानी में/ हे उपयोग करे • फ्लयूनीरेट 0.4: या इनडोसल्फान 4: 15–20 किलोग्राम या क्यूनालफास 1.5 डब्लू. पी. 20–25 किलोग्राम / हे डस्टर के द्वारा छिडकाव करे	• रासायनिक नियत्रंण के लिये क्यूनालफास 25 ई.सी. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी या मिथाईल पैराथियान 20 ई.सी @ 600 मि.ली. 500 लीटर पानी में/ हे उपयोग करे • फ्लयूनीरेट 0.4% या इनडोसल्फान 4% 15–20 किलोग्राम या क्यूनालफास 1.5 डब्लू. पी. 20–25 किलोग्राम / हे डस्टर के द्वारा छिडकाव करे • रासायनिक नियत्रंण के लिये क्यूनालफास 25 ई.सी. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी या मिथाईल पैराथियान 20 ई.सी @ 600 मि.ली. 500 लीटर पानी में/ हे उपयोग करे	फसल में कीटों व बीमारियों के प्रकोप को जानने के लिये फसलों का नियमित निरीक्षण करें	

2.3 बाढ़ : जिलें में लागू नहीं

2.4 गर्म हवा (लू)/शीतलहर/पाला/ओलावृष्टि/चक्रवात की चरम स्थिति में

चरम स्थिति का प्रकार	आपात स्थिति हेतु सुझाव			
	पौध/नर्सरी अवस्था	वानस्पतिक अवस्था	वृद्धि अवस्था	कटाई के समय
गर्म हवा (लू)				
गेहुँ	हल्की सिचाई करे व वायुअवरोधक का 3 मीटर के अंतर से उपयोग करे	हल्की सिचाई करे	हल्की सिचाई करे	फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
चना	हल्की सिचाई करे	हल्की सिचाई करे	हल्की सिचाई करे	- फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
उद्यानिकी				
फल	पौध को बचाने हेतु शेड का प्रबंध करें। वायु अवरोधकों का प्रबंध करें।	पेड़ की छाल को धूप से जलने से बचाने के लिये बोर्डेक्स पेस्ट का उपयोग करें। पेड़ के थाला में पलवार का उपयोग करें	पेड़ की छाल को धूप से जलने से बचाने के लिये बोर्डेक्स पेस्ट का उपयोग करें। पेड़ के थाला में पलवार का उपयोग करें	फसल की शीघ्र कटाई करके विक्रय करें या शीतगृह में रखें। उत्पाद को छायादार एवं सुरक्षित जगह पर रखें।
सब्जियाँ	पौध को बचाने हेतु शेड का प्रबंध करें। वायु अवरोधकों का प्रबंध करें।	रात में हल्की सिचाई करें	नत्रजनयुक्त उर्वरकों का उपयोग	फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
शीत लहर				
चना	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
गेहुँ	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
उद्यानिकी				

फल	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	फसल की शीघ्र कटाई करके विक्रय करें या शीतगृह में रखें। - फसल उत्पाद को सुरक्षित स्थान पर रखें।
सब्जियाँ	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	फसल की शीघ्र कटाई करके विक्रय करें
पाला	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	
गेहुँ	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
चना	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	- फसल कि कटाई अच्छी तरह पकने पर ही करे
उद्यानिकी				
फल	हल्की सिचाई करे	हल्की सिचाई करे	हल्की सिचाई करे	फसल की शीघ्र कटाई करके विक्रय करें या शीतगृह में रखें।
	रात में धुआँ करे	रात में धुआँ करे	रात में धुआँ करे	फसल उत्पाद को शेड में सुरक्षित स्थान पर रखें।
सब्जियाँ	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे	हल्की सिचाई करे व रात में धुआँ करे		फसल की शीघ्र कटाई करके विक्रय करें
ओलावृष्टि				
गेहुँ	अधिक नुकसान होने पर फसल कि पुनः बुवाई करे	हल्की व निरन्तर सिचाई करे	10 प्रतिशत अतिरिक्त नत्रजन का प्रयोग करें तथा हल्की व निरन्तर सिचाई करे	फसल उत्पाद को सुरक्षित स्थान पर रखें।
चना	अधिक नुकसान होने पर फसल कि पुनः बुवाई करे	हल्की व निरन्तर सिचाई करे		
उद्यानिकी				

फल	पौधो को छाया प्रदान करें		छंटाई की गई व क्षतिग्रस्त शाखाओं को फंफूद से बचाने के लिये 1 प्रतिशत बोर्डेक्स पेस्ट का उपयोग करें	फसल उत्पाद को सुरक्षित स्थान पर रखें।
सब्जियाँ	पौधो को छाया प्रदान करे व अधिक नुकसान होने पर फसल कि पुनः बुवाई करे	हल्की व निरन्तर सिचाई करे	10 प्रतिशत अतिरिक्त नत्रजन का प्रयोग करें तथा हल्की व निरन्तर सिचाई करे	फसल उत्पाद को सुरक्षित स्थान पर रखें।
चक्रवात : जिलें में लागू नहीं				

2.5.1 पशुपालन,मुर्गीपालन व मछलीपालन के लिये आपातकालीन कार्ययोजना

2.5.2 पशुपालन

सूखा	आपातकाल के लिये सुझाव		
	सूखे से पहले	**सूखे के दौरान**	**सूखे के बाद**
आहार एवं चारे की उपलब्धता	• चारे का सुरक्षित भडंरण • अतिरिक्त चारे का उपयोग साईलेज बनाने मे करना • यूरिया उपचारः 4 किलोग्राम यूरिया को 75 लीटर पानी में घोल कर 100 किलोग्राम चारे को उपचारित करना चाहिए। • बीमा	• भडांरित चारे का उपयोग • कटे हुये चारे का संतुलित दाने व साईलेज के साथ उपयोग • निकटवर्ती जिले में उपलब्ध अतिरिक्त चारे का परिवहन जिलें में करना • अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का रेशेदार चारों के रुप में प्रयोग करना • यूरिया उपचारित सूखू चारे का उपयोग • यूरिया शीरा ईटों का नत्रजन व उर्जा के रुप में उपयोग करना	• हरे चारे एवं पारम्परिक खाद्य पदार्थो का उपयोग • पशुओं पर लगातार पानी का छिड़काव करें • सूखे चारे को गीला कर उपयोग • पशु बीमा कराना • अनउत्पादित पशुधन को अलग करना

पीने का पानी	• शुद्ध पीने के पानी व्यवस्था करें • पीने के पानी को संचित करें • नलकूप खुदवायें	• संचित पानी का विवेकपूर्ण उपयोग • पोटेशियम परमैंगनेट 1 पीपीएम घोल का उपयोग करें • पानी को गर्म कर उपयोग करें	• साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें • चूने से उपचारित पानी का उपयोग करें
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• कृमिनाशक दवाओं का उपयोग • गलघोटू, लंगड़ी बुखार एवं खुरपका मुंहपका रोग का नियमित टीकाकरण • खनिज मिश्रण का उपयोग करें	• पशु स्वास्थ्य शिविर द्वारा रोगी पशुओं का उपचार • रोगी पशुओं का पृथकीकरण	• रोगी पशुओं का पृथकीकरण • टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग

बाढ़			
आहार एवं चारे की उपलब्धता	• चारे का संरक्षित भंडारण • हे एवं साइलेज का निर्माण • बीमा • पशुओं के आवास की मरम्मत • पशुओं को बाढग्रस्त क्षेत्र से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना	• अपारम्परिक खाद्य पदार्थो का उपयोग • संरक्षित चारे का उपयोग • संतुलित आहार • कटे हुए चारे का उपयोग • तनु अम्ल एवं क्षार से उपचारित भूसे का उपयोग करना • निकटवर्ती जिले में उपलब्ध अतिरिक्त चारे का परिवहन जिलें में करना	• पशुओं पर लगातार पानी का छिड़काव करें • हरा चारा /चारा एवं पारम्परिक आहार का उपयोग • सूखे चारे को गीला कर उपयोग • पशु बीमा कराना • अनउत्पादित पशुधन को अलग करना

पीने का पानी	• शुद्ध पीने के पानी व्यवस्था करें • चूने से उपचारित पानी का उपयोग करें	साफ पानी का उपयोग करें पानी को उबालकर/फिटकरी से उपचारित कर उपयोग करें	• साफ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करें
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• गलघोटू, लंगड़ी बुखार एवं खुरपका मुंहपका रोग का नियमित टीकाकरण • खनिज मिश्रण का उपयोग करें • जलरोधी पशुशालाओं का निर्माण करें • सूखे चारे को उपलब्ध करायें • कृमिनाशक दवाओं का उपयोग	• पशु स्वास्थ्य शिविर द्वारा रोगी पशुओं का उपचार • रोगी पशुओं का पृथकीकरण • बीमार पशुओं का घर पर उपचार करें	• रोगी पशुओं का पृथकीकरण • विषबाधा के दौरान विषरोधी दवाओं का उपयोग
चक्रवात	जिले में लागू नहीं		
शीतलहर			
आवास/वातावरण प्रबंधन	• पशुशालाओं का निर्माण उत्तर–दक्षिण दिशा में करें • उचित आवास का निर्माण • जूट के अनुपयोगी बोरों को आवास हेतु एकत्र करें	• पशुओं के शरीर को गर्म रखने हेतु पशुशाला में धूप आने की व्यवस्था करें • जूट के बोरों का उपयोग खिड़कियों को रात में ढकने के लिये करें	• दूध उत्पादन का स्तर बनाये रखने हेतु उचित चिकित्सीय उपायों का प्रयोग करें • पशुओं को ठंड से बचाने के लिये वातावरण को एक समान बनायें रखे
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• परिस्थिति से निपटने हेतु सभी आवश्यक जीवनरक्षक औषधियों एवं टीकों का संग्रहण करें। • संतुलित आहार का भंडारण करें	• बीमार पशुओं का उपचार करें • संतुलित आहार का उपयोग • गर्म पानी का उपयोग • नीलगिरी के पत्तों की भांप दें	• रोगी पशुओं का पृथकीकरण • टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग
गर्म हवा (लू)			
आवास/वातावरण प्रबंधन	• उचित आवास का प्रबंधन • वृक्ष लगायें • छत पर परावर्तक पेन्ट करें • पशुओं को दो बार नहलायें	• ठंडे पानी प्रबंध करें • पशुओं को गर्मी से बचाने के लिये वातावरण को एक समान बनायें रखे	• टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग

स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• परिस्थिति जन्य उचित दवाओं का उपयोग करें • परिस्थिति से निपटने हेतु सभी आवश्यक जीवनरक्षक औषधियों एवं टीकों का संग्रहण करें।	टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग	

2.5.3 मुर्गीपालन

	आपातकाल के लिये सुझाव			रिमार्क
सूखा	**सूखे से पहले**	**सूखे के दौरान**	**सूखे के बाद**	
खाद्य अवयवों की कमी	• पक्षियों का बीमा • खाद्य अवयवों का भंडारण	• मृत्युदर पर ध्यान दें एवं रोकने हेतु चिकित्सीय उपाय करें • मुर्गी आहार में खनिज मिश्रण, अपारंपरिक खाद्य पदार्थो का उपयोग करें • मुर्गी आहार में पशुजन्य प्रोटीन स्रोत जैसे – फिशमील, सिल्क वर्म प्यूपा, ब्लडमील, स्लाटर हाउस के सहउत्पाद आदि का उपयोग करें • स्थानीय उपलब्ध आहार घटकों का उपयोग करें	• बीमा का लाभ उपलब्ध करायें • उच्च गुणवत्ता वाले संतुलित आहार का उपयोग करें	
पीने का पानी	• शुद्ध पीने के पानी का संग्रहण करें	संग्रहित पानी का सदुपयोग करें	ताजा पानी उपलब्ध करायें	
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग • शीघ्र वृद्धि करने वाली प्रजाति को उपब्लध करायें • बाह्य परजीवियों से बचाने हेतु आवास का प्रबंध करें	• शीघ्र वजन बढ़ने वाली प्रजातियों का उपयोग करें • बीमार पक्षियों का उपचार करें	• टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग • बीमार पक्षियों को अलग करें	

बाढ़				
खाद्य अवयवों की कमी	मुर्गी आहार का भंडारण खनिज मिश्रण का भंडारण	संग्रहित आहार का उपयोग सूखे आहार का उपयोग अफलाटाक्सिन की संभावना को कम करने के लिये आहार में आर्द्रता न आने दें	• बिछावन को अच्छी तरह सुखाने हेतु पर्दे खोल दें। • अंडा उत्पादन एवं शारीरिक वृद्धि बनाये रखने हेतु उचित आहार दें	
पीने का पानी	• शुद्ध पीने के पानी का संग्रहण करें			
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• टीकाकरण एवं कृमिनाशक का उपयोग	• उचित टीकाकरण एवं कृमिनाशकों का उपयोग • फंफूदरोधी दवाओं एवं लिवर टानिक का उपयोग आहार एवं पीने के पानी में करें	• बीमार पक्षियों को अलग करें उचित टीकाकरण एवं कृमिनाशकों का उपयोग •	
चक्रवात : जिले में लागू नहीं				
खाद्य अवयवों की कमी	-		-	
पीने का पानी	-		-	
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	-		-	

गर्म हवा (लू) एवं शीतलहर				
आवास एवं वातावरण प्रबंधन	मुर्गीआवास की मरम्मत उचित तापमान बनाये रखनें हेतु फव्वारों का उपयोग स्थानीय उपलब्ध अनाज एवं खाद्य घटकों का भंडारण	खिड़कियों के पर्दे गिरा दें शीतलहर के दौरान मुर्गीआवास में रोशनी की व्यवस्था करें एवं उचित तापमान बनायें रखें	उच्च गुणवत्ता वाले संतुलित आहार का प्रयोग करें	बीमार पक्षियों का पृथकीकरण
स्वास्थ्य एवं बीमारियों का प्रबंधन	• टीकाकरण एवं कृमिनाशकों का उपयोग	• टीकाकरण एवं कृमिनाशकों का उपयोग • तनाव रोधी दवा एवं लिवर टानिक का उपयोग आहार एवं पीने के पानी के साथ करें।	• टीकाकरण एवं कृमिनाशकों का उपयोग	
		• कृमिनाशकों का उपयोग • बाह्य परजीवियों का उपचार करें		

2.5.4 मत्स्य पालन /एक्वाकल्चर

	आपातकाल के लिये सुझाव		
	सूखे के पूर्व	**सूखे के दौरान**	**सूखें के बाद**
1) सूखा			
A. पकड़ी हुई मछलिया			
समुद्रीय मछलियां	-	-	-
मीठे पानी की मछलियां			
(i) कम वर्षा / पानी की कम आवक के कारण पानी का स्तर कम होना	• सभी मछलियों का विक्रय कर दें। • छोटी मछलियों का भंडारण प्लास्टिक के बेग अथवा सीमेन्ट के टेंक में कर दें।	• सभी मछलियों को पकड़ लें। • छोटी मछलियों का भंडारण प्लास्टिक के बेग अथवा सीमेन्ट के टेंक में कर दें। • तालाब में शेड नेट का प्रयोग करे • सूखे तालाबों को चूने से उपचारित करें	• सिर्फ साफ पानी का सुरक्षित भंडारण हेतु पहले पानी का निकास करें। • तालाब के निकास पर जाली लगायें ताकि मछली न निकल पायें • मानसून की समाप्ति पर तालाब में मछली के बीजों को डाला जायें।
(ii) तालाबों में बढ़े हुए तापमान एवं लवण भार का प्रभाव / पानी की गुणवत्ता में परिवर्तन	सान्द्र पानी को उदासीन करने हेतु चूने का उपयोग करें	सान्द्र पानी को उदासीन करने हेतु चूने का उपयोग करें	• सिर्फ साफ पानी का सुरक्षित भंडारण हेतु पहले पानी का निकास करें। • तालाब के निकास पर जाली लगायें ताकि मछली न निकल पायें • मानसून की समाप्ति पर तालाब में मछली के बीजों को डाला जायें।
B. एक्वाकल्चर			
(i) कम वर्षा / पानी की कम आवक के कारण पानी का स्तर कम होना			
(ii) तालाबों में बढ़े हुए तापमान एवं लवण भार का प्रभाव / पानी की गुणवत्ता में परिवर्तन			

2) बाढ़			
A. पकड़ी हुई मछलिया			
समुद्रीय मछलियां			
मीठे पानी की मछलियां			
(i) मानवीय क्षति के कारण औसत देय क्षतिपूर्ति			
(ii) क्षतिग्रस्त नावों / जाल की संख्या			
(iii) क्षतिग्रस्त घरों की संख्या			
(iv) स्टाक की क्षति			
(v) पानी की गुणवत्ता में परिवर्तन			
(vi) स्वास्थ्य एवं बीमारियां			
B. मत्स्य पालन			
(i) बाढ़ के पानी से जलप्लावित	पानी के निकास पर जाल लगायें	बहते पानी में मछली को बहने से रोकने हेतु जाल का प्रयोग करें	
(ii) जल प्रदूषण एवं पानी की गुणवत्ता में परिवर्तन	चूने से उपचारित करें.	चूने से उपचारित करें तथा 2 पीपीएम पौटेशियम परमैंगनेट घोल का उपयोग करें	मछली के नए बीजों को न डालें
(iii) स्वास्थ्य एवं बीमारियां	-do-	-do-	-do-
(iv) स्टाक एवं आदानों की क्षति (आहार, रसायन आदि)	मछलियों को तैयार आहार दिया जाये	मछलियों को तैयार आहार दिया जाय	तालाबों में प्राकृतिक आहार उपलब्ध करायें
(v) ढांचागत क्षति (पंप, एयरेटर, हट्स आदि)	निकासी जाल से गंदगी हटायें	निकासी जाल से लगातार गंदगी हटायें	
3. चक्रवात / सुनामी : जिले में लागू नहीं			
4. लू/शीत लहर			
A. पकड़ी हुई मछलिया			

समुद्रीय मछलियां	-	-	-
मीठे पानी की मछलियां	नेट शेड	-	-
B. मत्स्य पालन	पानी में ज्यादा आक्सीजन हेतु पंप द्वारा बौछार करें		
(i) तालाब के पर्यावरण में परिवर्तन (पानी की गुणवत्ता)	पानी में ज्यादा आक्सीजन हेतु पंप द्वारा बौछार करें	पानी में ज्यादा आक्सीजन हेतु पंप द्वारा बौछार करें	-
(ii) स्वास्थ्य एवं बीमारियां का प्रबंधन	2 पीपीएम पौटेशियम परमैंगनेट घोल का उपयोग करें	2 पीपीएम पौटेशियम परमैंगनेट घोल का उपयोग करें	-